Regarding need to establish Defence Sector manufacturing units in Deoria, Uttar Pradesh- laid

श्री शशांक मणि **(**देवरिया**) :** मैं सरकार का ध्यान देश में रक्षा विनिर्माण को कुछ सीमित शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित रखने के बजाय उसे अधिक व्यापक और समावेशी बनाने की आवश्यकता की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ । आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के अंतर्गत रक्षा उत्पादन ₹1.5 लाख करोड़ से अधिक तथा रक्षा निर्यात ₹ 23,000 करोड़ के स्तर तक पहुँचना सरकार के प्रयासों का प्रमाण है । सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों, घरेलू खरीद को प्राथमिकता और निजी क्षेत्र की भागीदारी ने इस क्षेत्र को नई दिशा दी है । उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में स्थापित रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर इस दृष्टिकोण के सशक्त उदाहरण हैं । विशेष रूप से उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर में ₹28,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की संभावना बनी है । अब आवश्यकता है कि इन नीतिगत प्रयासों का लाभ देवरिया जैसे गैर-महानगरीय जिलों तक भी पहुँचाया जाए, जहाँ भूमि, युवा कार्यबल और बेहतर होती कनेक्टिविटी उपलब्ध है । iDEX, TDF और डिफेन्स प्रोडक्शन एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी जैसी योजनाओं के माध्यम से इन क्षेत्रों में सहायक रक्षा उद्योग विकसित किए जा सकते हैं । रक्षा विनिर्माण का विकेंद्रीकरण आर्थिक विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेगा ।